(*(ख) क्या नैफेड कर्मचारी यूनियन ने भी माननीय प्रधानमंत्री को ज्ञापन दिया हैं और उक्त प्रबंध निदेशक को हटाने की मांग की हैं; और

(ग) यदि हां, तो प्रबंध निदेशक पर लगे भ्रष्टाचार सहित सभी आरोपों की जांच एवं उनके विरूद्व की गई कार्रवाई पर सरकार का क्या दृष्टिकोण है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल) : (क) से (ग) नैफेड कर्मचारी संघ ने एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें नैफेड में धन के दुर्विनियोजन का आरोप लगाया गया तथा उक्त प्रबंध निदेशक को हटाने की मांग की गई। विभाग द्वारा की गई जांच तथा इस मामले में प्राप्त कुछ अन्य शिकायतों के आधार पर यह मामला आगे और जांच के लिये सी.बी.आई. को भेजा गया था। सी.बी.आई. को भेजा गया था। सी.बी.आई. ने कथित अनियमितताओं के संबंध में नैफेड के कुछ पदाधिकारियों के विरूद्व एक मामला पंजीकृत किया हैं।

उक्त प्रबंध निदेशक की नियुक्ति मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति का अनुमोदन मिलने तक के लिये अध्यक्ष, नैफेड द्वारा पूर्णतया अस्थाई आधार पर की गई थी। इस बीच उसने दिल्ली उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर कर दी। यद्यपि, उक्त पद पर उनकी नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने स्वीकृति नहीं दी, तथापि वह न्यायालय द्वारा प्रदत्त स्थगन आदेश के कारण इस पद पर बने रहे। अन्ततः रिटवाचिका खारिज कर दी गई। रिट याचिका को खारिज किये जाने के मद्देनजर उक्त प्रबंध निदेशक को 01.02.1999 से नैफेड से कार्य मुक्त कर दिया गया।

Fund for Central Agricultural University

331. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the fund for the Central Agricultural University has not been released for this year i.e. 1998-99;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) what is the progress of construction of buildings in other States where different faculties are to be opened; and

(d) whether the Management Board of the Central Agricultural University has asked the concerned State Governments to lend building temporarily for opening/ commencing the faculties?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURAL (SHRI SOMPAL): (a) and (b) Funds have been released worth Rs. 12.00 crores for the Central Agricultural University on 22.1.1999.

(c) Construction works of Central Agricultural University have started in three out of the four college campuses, i.e. College of Agriculture, Imphal (Manipur), College of Veterinary Sciences and Animal Husbandry, Selesih (Mizoram) and College of Fisheries, Lembuchera (Tripura) for which agreements were signed in 1997. The first phase of construction of the three colleges costing about Rs. 35 crores is likely to be over by March, 2001. The constructions of Girls Hostel and Administrative-cum-library-cum-museum Block at Imphal are at the advance stages of completion.

The renovation of old buildings located in the Veterinary College campus has been completed and college has started functioning therein with effect from March, 1998. Construction of new Animal Science Complex at Imphal was completed.

(d) The University requested the Govt. of Tripura and space was provided for opening Fishery College in Tripura.

The University is approaching the Govt. of Meghalaya to provide temporary space to start the College of Home Science at Tura.

The State Govt. has been approached by the University for handing over site for P.G. College at Barapani.